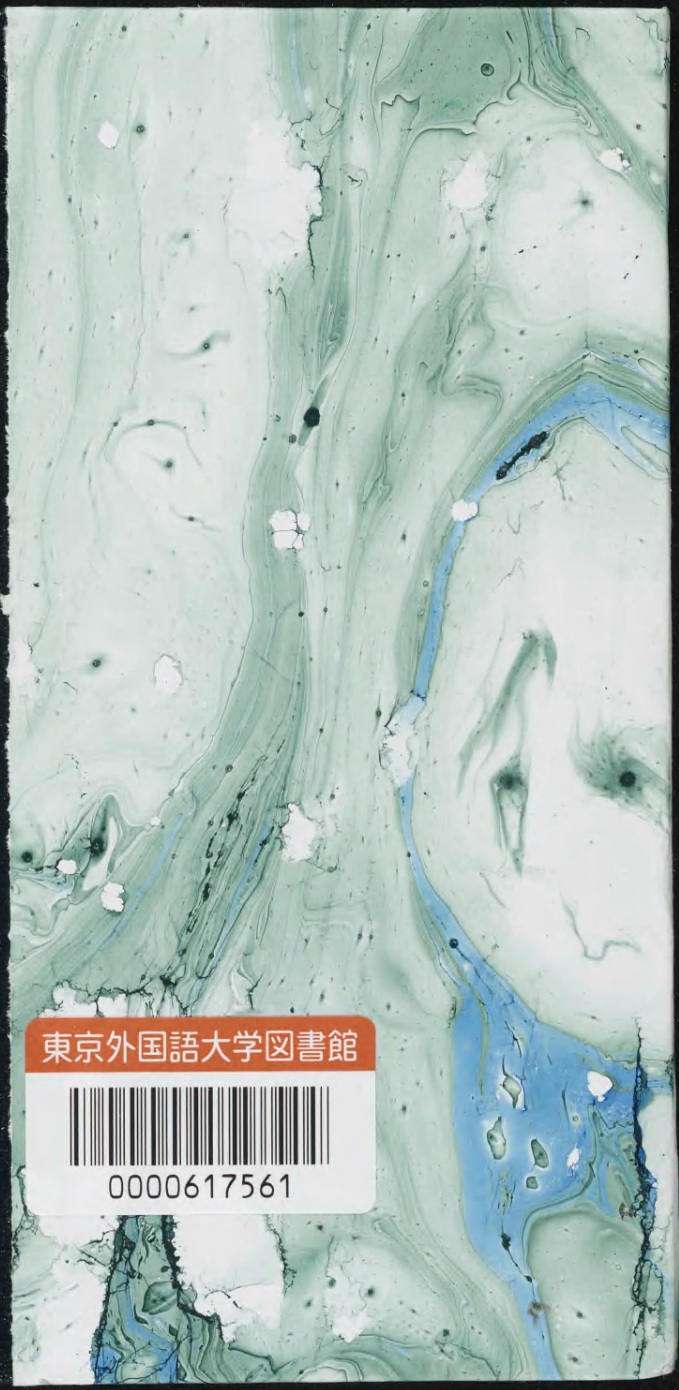

東京外国語大学図書館
0000617561

युवक मण्डल

॥ नाम माहात्म्यम् ॥

❀ जिसको ❀

श्रीभजनाश्रम के सेवकों ने अनेकानेक
महात्माओं के वाक्यों वा भजनों
का भगवद्भक्तों के हेतु संग्रह
किया है।

यह पुस्तक

पाठशालाओं में, छोटे बालकों के तथा
सबही स्त्री पुरुषों को पढने के योग्य है।

पुस्तक मिलने का पता-

भजनाश्रम वृन्दावन
भजना. गढमुक्तेश्वर
भजनाश्रम भिवानी
भजनाश्रम बेरी
भजनाश्रम ऋषीकेश
भजनाश्रम देहली
भजनाश्रम रोहतक

प्रिंटर बाबू किशनलाल
'बम्बई भूषण यन्त्रालय' मथुरा।